॥श्रीगणेशजीकीआरती॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥ जय ...

एक दंत दयावंत चार भुजा धारी।

माथे सिंदूर सोहे मूसे की सवारी ॥ जय ...

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया।

बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥ जय ...

पान चढ़े फल चढ़े और चढ़े मेवा।

लड्डुअन का भोग लगे संत करें सेवा ॥ जय ...

'सूर' श्याम शरण आए सफल कीजे सेवा

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ॥ जय ...

सौजन्य से :

<u>दी मंदिर दर्शन (The Mandir Darshan)</u>

यदि आप वैदिक ज्ञान, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल, तथा पर्व व उत्सव इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको मंदिर दर्शन संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं: